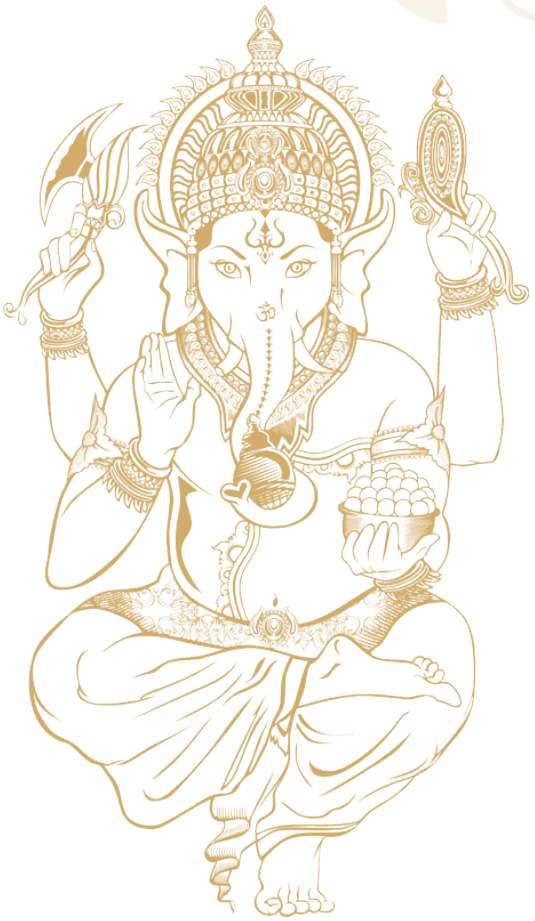

10 Jan 2022

04:45 PM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121083703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/01/2022**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	23:19:53 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:19:36 घंटे
वेलान्तर	-00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	23:39:27 घंटे
सूर्योदय	07:25:02 घंटे
सूर्यास्त	17:41:02 घंटे
दिनमान	10:16:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:01:17 धनु
लग्न के अंश	14:50:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:50:17	317:53:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			धनु	26:01:17	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	04:02:51	12:12:09	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	25:41:49	00:43:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			मक	14:45:06	00:40:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	08:18:04	00:12:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
शुक्र	व	अ	धनु	23:40:48	00:36:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मक	18:47:38	00:06:49	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु			वृष	06:22:13	00:01:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	06:22:13	00:01:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	16:41:12	00:00:26	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप			कुंभ	26:41:40	00:01:19	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	02:04:55	00:01:58	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			मीन	00:14:17	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:39

लग्न-चलित

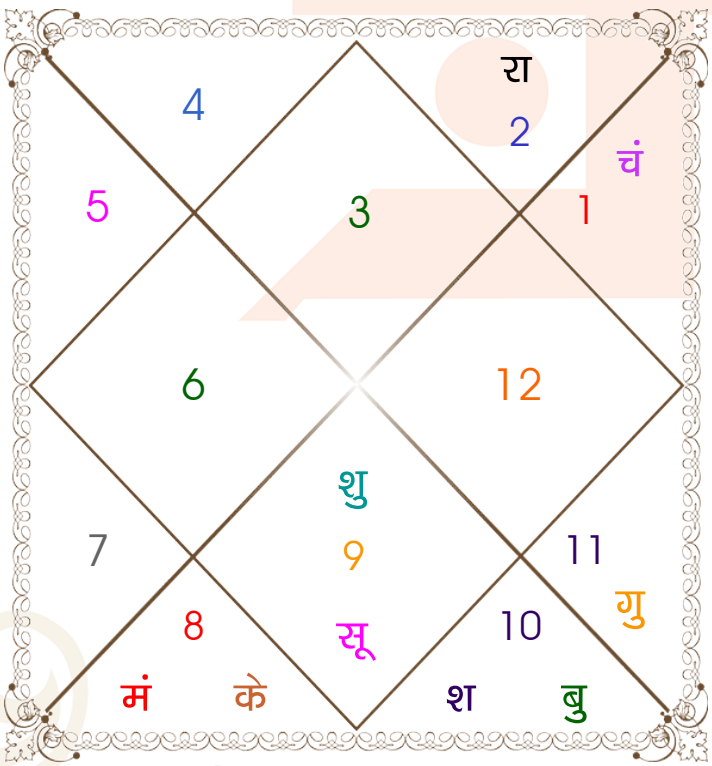

चन्द्र कुंडली

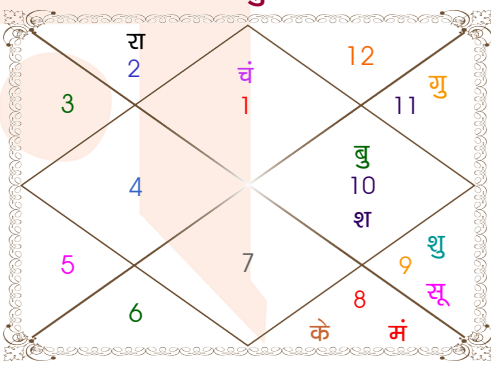

नवमांश कुंडली

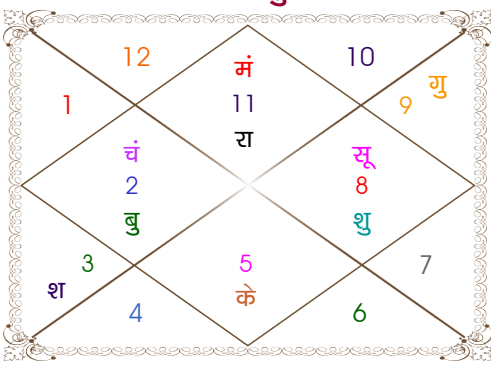

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 10 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/01/2022		26/11/2026		26/11/2046		25/11/2052		26/11/2062	
26/11/2026		26/11/2046		25/11/2052		26/11/2062		26/11/2069	
	00/00/0000	शुक्र	27/03/2030	सूर्य	15/03/2047	चंद्र	26/09/2053	मंगल	24/04/2063
	00/00/0000	सूर्य	28/03/2031	चंद्र	14/09/2047	मंगल	27/04/2054	राहु	11/05/2064
	10/01/2022	चंद्र	25/11/2032	मंगल	20/01/2048	राहु	27/10/2055	गुरु	17/04/2065
चंद्र	30/05/2022	मंगल	25/01/2034	राहु	14/12/2048	गुरु	25/02/2057	शनि	27/05/2066
मंगल	26/10/2022	राहु	25/01/2037	गुरु	02/10/2049	शनि	26/09/2058	बुध	24/05/2067
राहु	14/11/2023	गुरु	26/09/2039	शनि	14/09/2050	बुध	25/02/2060	केतु	21/10/2067
गुरु	20/10/2024	शनि	26/11/2042	बुध	21/07/2051	केतु	25/09/2060	शुक्र	20/12/2068
शनि	29/11/2025	बुध	26/09/2045	केतु	26/11/2051	शुक्र	27/05/2062	सूर्य	26/04/2069
बुध	26/11/2026	केतु	26/11/2046	शुक्र	25/11/2052	सूर्य	26/11/2062	चंद्र	26/11/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/11/2069		26/11/2087		27/11/2103		27/11/2122		27/11/2139	
26/11/2087		27/11/2103		27/11/2122		27/11/2139		00/00/0000	
राहु	08/08/2072	गुरु	13/01/2090	शनि	30/11/2106	बुध	24/04/2125	केतु	24/04/2140
गुरु	01/01/2075	शनि	27/07/2092	बुध	09/08/2109	केतु	22/04/2126	शुक्र	24/06/2141
शनि	07/11/2077	बुध	01/11/2094	केतु	18/09/2110	शुक्र	20/02/2129	सूर्य	30/10/2141
बुध	27/05/2080	केतु	08/10/2095	शुक्र	17/11/2113	सूर्य	27/12/2129	चंद्र	11/01/2142
केतु	14/06/2081	शुक्र	08/06/2098	सूर्य	30/10/2114	चंद्र	28/05/2131		00/00/0000
शुक्र	14/06/2084	सूर्य	28/03/2099	चंद्र	31/05/2116	मंगल	25/05/2132		00/00/0000
सूर्य	09/05/2085	चंद्र	28/07/2100	मंगल	10/07/2117	राहु	12/12/2134		00/00/0000
चंद्र	08/11/2086	मंगल	03/07/2101	राहु	15/05/2120	गुरु	19/03/2137		00/00/0000
मंगल	26/11/2087	राहु	27/11/2103	गुरु	27/11/2122	शनि	27/11/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।